AGRICULTURE UNIVERSITY,
JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail:
vcunivag@gmail.com

डॉ एम एल मेहरिया,
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 14.09.2018

प्रेस नोट

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने हर्ष एवं उल्लास से मनाया षष्ठम स्थापना दिवस

आज दिनांक 14 सितम्बर, 2018 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने अपने कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर स्थित सभागार हॉल में षष्ठम स्थापना दिवस हर्ष उल्लास और उमंग के साथ मनाया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि श्री एम.एल. कुमावत, पूर्व महानिदेशक, बीएसएफ तथा पूर्व कुलपति, सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय एवं अति विशिष्ठ अतिथि डॉ वजीर सिंह लाकड़ा, पूर्व कुलपति, केन्द्रीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई थें। समारोह के विशिष्ठ अतिथि डॉ ओ.पी यादव, निदेशक काजरी–जोधपुर, डॉ एस.के. सिंह, निदेशक अटारी–जोधपुर रहें। इस अवसर पर डॉ बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत भाषण पढा और विश्वविद्यालय में पिछले एक वर्ष में शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार, उन्नत बीज उत्पादन एवं आधारभूत ढ़ाचें में सुधार की गई उल्लेखनीय प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। कृषि शिक्षा के क्षेत्र में बताते हुऐ डॉ सिंह ने कहां कि कृषि में उच्च शिक्षा हेतु केन्द्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को आगामी पॉच वर्षो हेतु 5 करोड़ की धनराशि की परियोजना स्वीकृत हुई हैं। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष कृषि महाविद्यालय, नागौर के अंतर्गत खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग प्रारंभ किया गया हैं। इसके अतिरिक्त कृषि महाविद्यालयं, मडोर–जोधपुर में चार विषयों में स्नातकोत्तर तथा तीन विषयों में विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। अनुसंधान के क्षेत्र में डॉ बलराज सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष विश्वविद्यालय को दो फार्म रसियावास–जालौर जिले में 43 हेक्टेयर तथा बिलाड़ा–जोधपुर में 10 हेक्टेयर उन्नत बीज उत्पादन हेतु आवंटित किये गये। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को 10.5 करोड़ रू. के सात सीड हब जिनमें से तीन दलहन के, दो तिलहन के और दो बाजरा के स्वीकृत हुऐ है। राज्य में प्रथम बार सार्वजनिक क्षेत्र के द्वारा संकर बाजरा के उन्नत बीज एम.पी.एम.एच 17 का वृहद् स्तर पर उत्पादन किया गया है जिससे इस क्षेत्र के किसानों को बड़े पैमाने पर लाभ पहुॅचा हैं, इसी प्रकार अन्य दलहन एवं तिलहन फसलों के बीज उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित किया हैं। अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में देश के प्रख्यात संस्थान भाभा आणविक अनुसंधान संस्थान, मुंबई के साथ एक एम.ओ.यू किया गया है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत इस वर्ष विश्वविद्यालय के अधीनस्थ जिलों बाड़मेर तथा सिरोही हेतु 4.15 करोड की परियोजना स्वीकृत हुई। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में केन्द्र सरकार द्वारा मोटे अनाजों वाली फसलों हेतु उत्कृष्ठ केन्द्र की स्थापना हेतु लगभग 6.00 करोड की परियोजना प्रस्तावित है। प्रसार शिक्षा के क्षेत्र पर डॉ बलराज सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा चार दिवसीय पश्चिमी क्षेत्रीय किसान मेले का आयोजन किया जिसमें लगभग 10,000 से अधिक किसानों ने भाग लिया एवं नवीन कृषि तकनीकीयों से लाभान्वित हुऐ। विश्वविद्यालय

द्वारा केन्द्र सरकार के महत्वपूर्ण परियोजना 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने हेतु विश्वविद्यालय को प्रथम कृषक परियोजना के अंतर्गत लगभग 40.00 लाख प्राप्त हुऐ। पिछले एक वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक पदों पर भर्ती प्रकियया पूर्ण कर ली गई एवं अशैक्षणिक पदों पर भर्ती प्रकिया अंतिम चरण में है। विश्वविद्यालय द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय के निर्देशानुसार पूर्व में गोदित गॉव नेवरा रोड में अनेको विकास कार्य कराये गये तथा नवीन गॉव लूणी–जोधपुर को गोदित गॉव के रूप में गोद लिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री एम.एल. कुमावत ने अपने उद्बोधन में कहां कि विश्व में सर्वोत्तम यदि कोई स्थान है तो वह विश्वविद्यालय है तथा विश्वविद्यालयो के विकास से ही देश विकास संभव है। उन्होंने उदाहरण दिया कि आज दुनिया की 100 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयो में से 50 विश्वविद्यालय अमेरिका के है इसी कारण से अमेरिका पूरी दुनिया में अग्रणी राष्ट्र है। साथ ही उन्होनें यह भी कहां कि देश के आजाद होने के समय 30 करोड की आबादी हेतु बाहर से अनाज का आयात करना पडता था लेकिन आज देश की आबादी 130 करोड की होने के बावजूद देश में खाद्यान्न के भंडार भरे हुऐ है इस हेतु देश के कृषि वैज्ञानिक और किसान भाई बधाई के पात्र है। श्री कुमावत ने आहा्वान करते कहां कि राष्ट्र की सुरक्षा मात्र सीमा सुरक्षा से ही नही है बल्कि खाद्य्य सुरक्षा, पोषक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य भी है। समारोह के अति विशिष्ठ अतिथि डॉ वजीर सिंह लाकड़ा ने बताया कि हमारे देश का मछली उत्पादन के क्षेत्र में तीसरा स्थान है और हर वर्ष 10 मीलियन टन मछली का उत्पादन किया जाता है जिसे 2020 तक 15 मीलियन टन किये जाने का लक्ष्य है। डॉ लाकडा ने यह भी बताया कि राजस्थान में अधिकतः खारा पानी है जिसमें जींगा मछली का उत्पादन कर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। डॉ लाकडा ने साथ ही यह भी कहां कि भारत सरकार ने यूनेस्कों को प्रस्ताव भेजा है कि आगामी वर्ष 2019 को मोटे अनाजों का अंतराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया जाये। विशिष्ठ अतिथि डॉ ओ पी यादव, निदेशक काजरी ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने डॉ बलराज सिंह के नेतृत्व इतने अल्प समय में चहुॅमूखी विकास किया है जिसके लिये डॉ बलराज सिंह और विश्वविद्यालय परिवार बधाई का पात्र है। विशिष्ठ अतिथि डॉ एस के सिंह, निदेशक अटारी ने कहां कि विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यक्षेत्र शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार है और इसके अंतर्गत आने वाले जिले जो कि शुष्क क्षेत्र जलवायु वाले है और इस विषम परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यो की हद्य से सराहना की। इस अवसर पर सभी निदेशक, अधिष्ठाता, संयुक्त निदेशक कृषि डॉ ए के पांडे, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी सभी ने इस अवसर पर उपस्थित रहें। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों द्वारा तैयार दो पोस्टर **Insect pests of cereal crops, diseases of field crops** का तथा एक मेन्यूअल **fundamental of agronomy** का विमोचन किया गया। समारोह के अंत में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलसचिव श्री ओ पी विश्नोई ने इस अवसर पर पधारे सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय इसी प्रकार भविष्य में और उन्नति के पथ पर अग्रसर होकर देश का एक अग्रणी विश्वविद्यालय होगा।

(डॉ एम एल मेहरिया)